



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रतिपक्षार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं. 313]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 17, 1992/आषाढ़ 26, 1914

No. 313]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 17, 1992/ASADHA 26, 1914

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिमूचना

नई दिल्ली, 17 जुलाई, 1992

सां. कां. निं. 679 (अ).—केन्द्रीय सरकार, विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 (1973 का 46) की धारा 14 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय की अधिमूचना संख्या फां. 113/ई. सं. 0/73, तारीख 15 जून, 1977 को अधिकांश कते हुए यह आदेश देती है कि भारत में या भारत का निवासी प्रत्येक व्यक्ति, जो भेगद या भूदान को करने से निन्त किसी करों के रूप में अधिव्यक्त किसी विदेशी मुद्रा का या तो शांत में या भारत के बाहर स्वामी है या उसे रखता है या जो इतने पक्का उनका स्वामी हो सकता या उसे रख सकेगा, यवास्थिति, इस आदेश की तारीख से या उसके म्यारी होने या रजि. की तारीख से तीन मास के अवधान के पूर्व अपनी प्राप्ति करने में सफलता के लिए उक्त अधिनियम की धारा 8 की तरफ (1) के अधिनियम से रिजर्व बैंक द्वारा तय प्राधिकृत दर या दरों पर स्वामी में लयाय करने के लिए किसी प्राधिकृत व्यवहारी को लिखित में लिख पत्रपत्रा भेजना या कराएगा

परन्तु यह आदेश—

- (1) ऐसी विदेशी मुद्रा को जो प्राधिकृत व्यवहारी द्वारा, अपने प्राधिकरण की परिधि के भीतर रखी गई है ;
- (2) ऐसे व्यक्ति को जो व्यापार या अन्य प्रयोजन के लिए, उसके पक्ष में प्राधिकरण की परिधि के भीतर ऐसी विदेशी मुद्रा रखने के लिए रिजर्व बैंक द्वारा प्राधिकृत किया गया हो;
- (3) ऐसी विदेशी मुद्रा को, जो भारत में इस निमित्त रिजर्व बैंक द्वारा अनुमोदित किसी स्कीम के अनुसार धारित है या भारत के बाहर और उस पर आय को, यदि ऐसी विदेशी मुद्रा किसी व्यक्ति द्वारा—
- (क) उक्त अधिनियम के उल्लंघन में से अन्यथा, जब वह भारत के बाहर निवासी था, अथवा
- (ख) भारत के बाहर किए गए या प्रारम्भ किए गए, नियोजन, कारोबार या व्यवसाय के माध्यम से, जब ऐसा व्यक्ति भारत के बाहर निवासी था,

अर्जित की गई थी।

परन्तु यह तब जब कि किसी भी वषा में ऐसा व्यक्ति कम से कम एक वर्ष की सतत् कालावधि के लिए भारत के बाहर निवासी रहा हो ;

- (4) किसी खाते में विदेशी मुद्रा में रखी गई किसी राशि का जो पौड स्टनिंग में अतिव्यक्त राशि नहीं है और 8 जुलाई, 1947 को या उससे पूर्व रखी गई है, यदि ऐसा खाता रिजर्व बैंक की साधारण या विशेष अनुज्ञा के अनुमरण में रखा जाता है तो ;
- (5) उक्त अधिनियम की, भयास्थिति, धारा 8 या धारा 9 के अधिन रिजर्व बैंक द्वारा अनुवत अनुज्ञा के अनुमरण में अर्जित विदेशी मुद्रा को, यदि उस विदेशी मुद्रा को कम प्रकार अर्जित या प्राप्त करने वाला व्यक्ति उन शर्तों का पालन करता है जिनके अधिन रहते हुए ऐसी अनुज्ञा दी गई है तो ;
- (6) भारत में, भारत के निवासी विदेशी नागरिकों द्वारा जो भारत के स्थायी निवासी नहीं हैं, ट्रेडर्स बैंक, करेंसी नोट, बैंक नोट और सिक्कों के रूप में भारत में विदेशी करेंसी रखने को ;
- (7) विदेशी सिक्कों के रूप में विदेशी मुद्रा को ; और
- (8) 500 अमेरिकन डालर के समतुल्य कुल मूल्य तक विदेशी मुद्रा या मुद्राओं को जो सिक्का प्रयोजनों के लिए अर्जित या अर्जित हों ; लागू नहीं होता।

[फा० सं० 10/22/90—एन आर आई-कक्ष]

एस० वरदाचारी, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 17th July, 1992

G.S.R. 679(E).—In exercise of the powers conferred by section 14 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973) and in supersession of the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance No. F-1(3)EC/73, dated the 15th June, 1977, the Central Government hereby orders that every person in, or resident in India, who owns or holds, or who may hereafter own or hold, any foreign exchange, whether in India or abroad, expressed in any currency other than the currency of Nepal or Bhutan, shall, before the expiration of three months from the date of this order, or as the case may be, the date of his so owning or holding, offer the same, or cause it to be offered, for sale to any authorised dealer against payment in rupees, at the rate or rates for the time being authorised by the Reserve Bank in

pursuance of sub-section (2) of section 8 of the said Act, for conversion into Indian currency of the foreign currency in which such foreign exchange is expressed :

Provided that this order shall not apply to —

- (1) Such foreign exchange held by authorised dealers within the scope of their authority;
- (2) persons authorised by the Reserve Bank to hold such foreign exchange for business or other purposes within the scope of the authorisation in their favour;
- (3) foreign exchange held in India in accordance with any schemes approved by the Reserve Bank in this behalf, or outside India, and income thereon, if such foreign exchange was acquired by a person —
  - (a) otherwise than in contravention of the said Act, while he was resident outside India; or
  - (b) through employment, business or vocation outside India, taken up or commenced while such person was resident outside India :

Provided that in either case such a person has been resident outside India for a continuous period of not less than one year;

- (4) any sum held in any account in foreign currency, not being a sum expressed in pound sterling and held on or before the 8th July, 1947, if such account is maintained in pursuance of the general or special permission of the Reserve Bank;
- (5) foreign exchange acquired or received in pursuance of permission granted by the Reserve Bank under section 8, or, as the case may be, under section 9 of the said Act, if the person so acquiring or receiving such foreign exchange complies with the conditions subject to which such permission has been granted;
- (6) holding in India of foreign currency in the form of travellers cheques, currency notes, bank notes and coins by foreign citizens in, or resident in, India but not permanently resident therein;
- (7) foreign exchange in the form of foreign coins; and
- (8) foreign currency or currencies upto a total value equivalent to US Dollar 500 held or acquired for numismatic purposes.

[F. No. 10/22/90-NRI-Cell]

S. VARADACHARY, Jt. Secy.